

न्यायालय :- अपर सत्र न्यायाधीश गोहद, जिला भिण्ड मध्य-प्रदेश

प्रकरण क्रमांक 110/2010 सत्रवाद

संस्थिति दिनांक 11.06.2010

मध्य प्रदेश शासन द्वारा आरक्षी केन्द्र
मौ जिला भिण्ड म0प्र0।

-----अभियोजन

बनाम

1. बनवारी पुत्र बद्रीप्रसाद जाटव उम्रवर्ष।
निवासी ग्राम सीनोर थाना मौ, जिला भिण्ड
म0प्र0।
2. सुरेन्द्र पुत्र धर्मसिंह जाटव उम्र 26 वर्ष, निवासी
जामना रोड के पास नाई वाली गली रेखा नगर
भिण्ड म0प्र0।**फरार**

-----अभियुक्तगण

न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी गोहद श्री मनीष शर्मा
के न्यायालय के मूल आपराधिक प्र0कं0 479/2010 इ0फौ0
से उदभूत यह सत्र प्रकरण क्र0 110/2010

शासन द्वारा अपर लोक अभियोजक श्री दीवान सिंह गुर्जर।
अभियुक्त द्वारा श्री जी0एस0 गुर्जर अधिवक्ता।

// दोषमुक्ति आदेश अंतर्गत धारा 232 दं.प्र.स.//

// आज दिनांक 16-03-2016 को पारित किया गया//

01. वर्तमान में विचारित किये जा रहे आरोपी बनवारी का विचारण धारा 420 बिकल्प में धारा 420/34, 489(घ) भा0द0सं0 के आरोप के संबंध में किया जा रहा है। उस पर आरोप है कि दिनांक 15.05.2002 को दो बजे बेहट रोड मौ भिण्ड में फरियादी प्रमोद कुमार जाटव जिसे प्रबंधित किया गया है, बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित किया कि वह 7000/- रुपए उसे और सहआरोपी सुरेन्द्र को परिदत्त कर दे जो कि उक्त 7000/- रुपए की मूल्यवान राशि को अपने

उपयोग में उसके द्वारा लाया जाएगा। उस पर यह भी आरोप है कि उसी दिनांक समय व स्थान पर सहआरोपी सुरेन्द्र के साथ फरियादी प्रमोद कुमार जाटव को प्रबंचित करने का सामान्य आशय निर्मित किया, बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित किया कि वह 7000/- रूपए उसे/सहआरोपी सुरेन्द्र को परिदत्त कर दे जो कि उक्त 7000/-रूपए मूल्यवान की राशि को अपने उपयोग में उसके द्वारा लाया जा सके। उस पर यह भी आरोप है कि उपरोक्त दिनांक समय स्थान पर उसके द्वारा 50 एवं 100 रूपए के करेंसी नोटों की कूट रचना करने के प्रयोजन के लिए या यह विश्वास करने का कारण रखते हुए कि करेंसी नोटों का कूट रचना किया जाना आशयित था इस प्रयोजन हेतु नोटों के नीचे सफेद कागज बांधकर और उनके ऊपर कैमिकल डालकर कॉच के टुकड़े ऊपर बांध दिए जिससे कि नोट दुगुना करने हेतु कूट रचना की जा सके।

02. अभियोजन प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार से रहा है कि दिनांक 13.05.2002 को फरियादी प्रमोद कुमार जो कि बेहट रोड मौ में रहता है उसके घर पर शाम के समय सुरेन्द्र सिंह निवासी जामुना रोड भिण्ड एवं बनवारी जाटव निवासी सीनोर के आए और उसके चाचा के लड़के सतीश से बातचीत कर यह बोल रहे थे कि वह 50 रूपए के नोट को 100 रूपए एवं 100 रूपए के नोट को 200 रूपए दुगुना कर देते हैं तुम भी पैसे दुगुना करवा लो। सतीश उसके पास आया और उससे कहा कि तुम्हारे पास रूपए हो तो दुगुना करवा लो। उसने कहा कि उसके पास अभी रूपए नहीं हैं एक दो दिन बाद इन्तजाम कर लेगा तब दुगुना करवा लेगा। आरोपी सुरेन्द्र बोला कि 15 तारीख तक दुगुना हो सकते हैं और दिनांक 15.05.2002 को बनवारी तथा सुरेन्द्र रात के नौ बजे उनके यहाँ पहुँचे और नोट दुगुना करने की बात उससे की। उसने सात हजार रूपए जिनमें 51 नोट 100-100/- रूपए के तथा 38 नोट 50-50/- रूपए के सुरेन्द्र को दिए। सुरेन्द्र ने प्रत्येक नोट के ऊपर एक-एक सफेद कागज बारी-बारी से लगाकर गड्डी बनाई और एक शीशी अपने झोला से निकालकर कैमिकल जैसा नोटों पर डाल दिया जिससे नोटों का रंग बदल गया। नोटों के ऊपर नीचे एक एक कॉच का टुकड़ा कपड़े में बांधकर उसे दे दिया और बोले कि दो चार दिन में आएंगे तो नोट दुगुना कर देंगे। दिनांक 19.05.2002 को 6 बजे सुबह बनवारी उसके पास पहुँचा और बोला कि सुरेन्द्र ने मौ बुलाया है रूपए का झोला लेकर चलो तो वह ऐमेट्री से मौ के लिए आ गया। जब मौ के पास पहुँचा तो वहाँ पैशाब करने लगा इतने में बनवारी रूपए का थैला लेकर भाग गया। आरोपी के द्वारा फरियादीके साथ धोका-धडी की गई और उसके नोटों को दुगुना करने हेतु नोटों के साथ छेड़छाड़ की गई। उक्त घटना की रिपोर्ट फरियादी के द्वारा थाना मौ में की गई जिस पर से धारा 420 भा0दं0वि0 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की विवेचना की गई, दौराने विवेचना आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

नोटों जिनमें 100-100/- रूपए के 51 नोट एवं 50-50/- रूपए के 38 नोट जिनके नम्बर अंकित किए गए की जप्ती की गई जो कि उक्त नोट कैमिकल डालने एवं कैमिकल लगे होने से काले धब्बे लग गए। प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना उपरांत विचारण हेतु अभियोगपत्र न्यायालय में पेश किया गया जो कि कमिट होने के उपरांत माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के आदेशानुसार विचारण हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ।

03. वर्तमान में विचारित किए जा रहे आरोपी के विरुद्ध धारा 420 बिकल्प में धारा 420/34, 489(घ) भा0द0सं0 का आरोप पाया जाने से आरोप लगाकर पढकर सुनाया समझाया गया। आरोपी ने जुर्म अस्वीकार किया उनकी प्ली लेखबद्ध की गई।

04. दं.प्र.सं. के प्रावधानों के अनुसार अभियुक्त परीक्षण किया गया। अभियुक्त परीक्षण में अभियुक्त ने स्वयं को निर्दोश होना बताते हुए झूठा फंसाया जाना अभिकथित किया है।

05. आरोपी के विरुद्ध विचारित किए जा रहे अपराध के संबंध में विचारणीय यह है कि:-

1. क्या आरोपी के द्वारा दिनांक 15.05.2002 को दो बजे बेहट रोड मौ भिण्ड में फरियादी प्रमोद कुमार जाटव जिसे प्रबंचित किया गया है, बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित किया कि वह 7000/- रूपए उसे और सहआरोपी सुरेन्द्र को परिदत्त कर दे जो कि उक्त 7000/- रूपए की मूल्यवान राशि को अपने उपयोग में उसके द्वारा लाया जाएगा?
2. क्या आरोपी के द्वारा उसी दिनांक समय व स्थान पर सहआरोपी सुरेन्द्र के साथ फरियादी प्रमोद कुमार जाटव को प्रबंचित करने का सामान्य आशय निर्मित किया, बेईमानीपूर्वक उत्प्रेरित किया कि वह 7000/- रूपए उसे/सहआरोपी सुरेन्द्र को परिदत्त कर दे जो कि उक्त 7000/-रूपए मूल्यवान की राशि को अपने उपयोग में उसके द्वारा लाया जा सके?
3. क्या आरोपी के द्वारा उपरोक्त दिनांक समय स्थान पर उसके द्वारा 50 एवं 100 रूपए के करेंसी नोटों की कूट रचना करने के प्रयोजन के लिए या यह विश्वास करने का कारण रखते हुए कि करेंसी नोटों का कूट रचना किया जाना आशयित था इस प्रयोजन हेतु नोटों के नीचे सफेद कागज बांधकर और उनके ऊपर कैमिकल डालकर काँच के टुकड़े ऊपर बांध दिए जिससे कि नोट दुगुना करने हेतु कूट रचना की जा सके?

—: सकारण निष्कर्ष:—

बिन्दु क्रमांक 01 लगायत 03 :-

06. साक्ष्य की पुनरावृत्ति एवं सुगमता को देखते हुए सभी विचारणीय बिन्दुओं का निराकरण एक साथ किया जा रहा है।
07. घटना के फरियादी/रिपोर्टकर्ता प्रमोद कुमार की विचारण के दौरान मृत्यु हो जाने से उसका कथन नहीं हुआ है। अभियोजन के द्वारा साक्षी सतीश कुमार अ0सा0 1, तुलसीराम अ0सा0 2 थाना प्रभारी आर.एस.रघुवंशी अ0सा0 3 तथा ए.एस.आई बाबूसिंह यादव अ0सा0 4 के रूप में परीक्षित कराए हैं। जप्ती के अन्य अभियोजन बुद्धे एवं बल्लू उर्फ ईसाक की भी मृत्यु हो जाने से उनके कथन नहीं हुए हैं।
08. अभियोजन साक्षी सतीश कुमार अ0सा0 1 जिसको कि सबसे पहले आरोपीगण मिलना बताया गया है। उक्त साक्षी के द्वारा अभियोजन प्रकरण का कोई भी समर्थन नहीं किया गया है। उसे अभियोजन के द्वारा पक्षद्रोही घोषित किया गया है। इस प्रकार उक्त साक्षी के कथन के आधार पर घटना की पुष्टिकारक कोई साक्ष्य नहीं आई है। अन्य अभियोजन साक्षी तुलसीराम अ0सा0 2 के द्वारा भी अभियोजन प्रकरण का कोई समर्थन नहीं किया गया है।
09. जहाँ तक घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट जो कि राजेन्द्रसिंह अ0सा0 3 तत्कालीन थाना प्रभारी मौ के द्वारा कायम की गई है। कायमी प्र.पी. 3 पर ए से ए भाग पर अपने हस्ताक्षर होना बताया गया है। इस संबंध में साक्षी के द्वारा प्रतिपरीक्षण में यह बताया है कि थाना महाराजपुरा में शून्य पर रिपोर्ट लिखी गई थी जो वापस आई थी। इस संबंध में बाबूसिंह अ0सा0 4 जो कि प्र.पी. 4 की रिपोर्ट लेखबद्ध करना बताए हैं और इसके अतिरिक्त आरोपी बनवारी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पंचनामा प्र.पी. 5 तैयार करना और उससे नोटों की जप्ती कर जप्ती पत्रक प्र.पी. 6 तैयार करना बताया है जो कि सौ सौ रूपए के 51 नोट और पचास पचास के रूपए के 37 नोट जप्त होना बताया है। इस संबंध में जप्ती के किसी भी साक्षी के कथन नहीं हुए हैं। इस प्रकार जप्ती की कार्यवाही किसी भी स्वतंत्र साक्षी के कथन से सम्पुष्ट नहीं है। जहाँ तक साक्षी बाबूसिंह के कथन का प्रश्न है, जबकि घटना घटित होने के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई साक्ष्य अभिलेख में मौजूद नहीं है। देहातीनालिसी रिपोर्ट में घटनास्थल महाराजपुरा जिला ग्वालियर होना दर्शाया गया है, जैसा कि प्र.पी. 4 से स्पष्ट है। वर्तमान आरोपी बनवारी वास्तव में फरियादी के गांव में और उसके पास आया

इसकी पुष्टि इस संबंध में साक्षी सतीश के कथनों में कहीं भी नहीं हुई है। जप्त किए गए नोटों की कोई विशिष्ट पहचान होनी भी दर्शित नहीं होती है।

10. विचोरापरांत प्रकरण में आई हुई समग्र अभियोजन साक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में आरोपी को दोषसिद्ध ठहराने हेतु कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। आरोपी बनवारी को धारा 420 विकल्प में धारा 420/34, 489(घ) भा0द0सं0 के आरोप से दोषमुक्त किया जाता है।

11. प्रकरण में जप्तशुदा सम्पत्ति का निराकरण सहआरोपी सुरेन्द्रसिंह के संबंध में निराकरण के समय किया जावेगा।

12. प्रकरण में सहआरोपी सुरेन्द्रसिंह फरार है। प्रकरण सुरक्षित रखा जावे।

निर्णय खुले न्यायालय में दिनांकित

हस्ताक्षरित एवं घोषित किया गया

|

मेरे निर्देशन पर टाईप किया गया

(डी0सी0थपलियाल)

अपर सत्र न्यायाधीश

गोहद, जिला भिण्ड

(डी0सी0थपलियाल)

अपर सत्र न्यायाधीश

गोहद, जिला भिण्ड

सामान्य जानकारी हेतु प्रतिलिपि
(शासकीय / विधिक उपयोग हेतु अमान्य)